CW
14.7.21

मेरी प्रिय मित्र

मित्रो के बिना हमारी जिंदगी अधुरी होती है। एक सच्चा मित्र वही होता है जो अपनी दोस्त की हमेशा मदद करे, साथ रहे, किसीसे उससे तुलना ना करे आदि। मेरी प्रिय मित्र स्वहानि है। मैं उसे प्यार से 'सुहु' बुलाती हुँ। हम दोने एक ही अपार्टमेन्ट में रहते थे लेकिन अब मे एक नए अपार्टमेन्ट में आ गई। वो मेरे स्कूल ~~और~~ में पढ़ती है। वह बहुत अच्छी है। वह मेरी खुब मदद करती है। वह मज़ाकिया है। हम दोनो में काफि समानताए हैं। वो मुझे जैसी मैं हुँ वैसी ही पसंद करती है और मैं उसे। कभी-कभी हम दोनों में झगड़े होते हैं लेकिन कुछ ही समय में हम फिरसे दोस्त बन जाते हैं। उसके बिना मुझे हमेशा अकेलापन लगता है मैं उससे बहुत प्यार करती हुँ।

~~दोस्त~~ 'दोस्त बनो तो कृष्ण और सुदामा जैसे'।